

Title: Need to set up wheat procurement centres in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने गन्ना किसानों को बरबाद कर दिया। उनकी धान और आलू की फसल भी बरबाद हुई। आज स्थिति यह है कि उनका आलू खेतों में सड़ रहा है जिससे बीमारी फैलने की सम्भावना है। उनका आलू खरीदा नहीं गया। देश में कहीं सूखा पड़ा और कहीं बाढ़ आई लेकिन इसके बावजूद किसी तरह किसानों ने गेहूँ की फसल पैदा की। आज हालत यह है कि जब उनका गेहूँ तैयार हो गया तो सरकार द्वारा तय स्थानों पर जो खरीद केन्द्र स्थापित होने चाहिए, वहां वे स्थापित नहीं हुए। परिणामस्वरूप किसानों को 630 रुपए प्रति-क्विंटल, जो समर्थन मूल्य के मिलने थे जिस में 10 रुपए प्रति-क्विंटल सूखा राहत के नाम पर थे, वह नहीं मिल रहा है। आज उसे बाजार में अपना गेहूँ 560-570 रुपए प्रति-क्विंटल में बेचना पड़ रहा है। इसी समय उनकी देनदारी सुनिश्चित होती है, शादी-ब्याह का समय होता है और उनकी अपनी कई जिम्मेदारियां होती हैं लेकिन आज किसान की फसल पर डाका पड़ रहा है। उसे गेहूँ का समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। यह बहुत गम्भीर मामला है। हम आपका संरक्षण चाहते हैं। हम चाहेंगे कि भारत सरकार राज्य सरकार को निर्देश दे कि जो एजेंसियां गेहूँ खरीदती थीं, वे सक्रिय हों जिससे किसानों को अपना गेहूँ बाजार में बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े। किसान पहले ही बहुत परेशान है। **â€** (व्यवधान)

DR. MAHENDRA SINGH PAL (NAINITAL): Sir, I want to associate myself with the views expressed by Shri Ramji Lal Suman.

MR. SPEAKER: All right. Your name will be associated.